सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 9 ● अंक: 73 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, सोमवार, 17 अप्रैल, 2023
मूल्य ₹ 3/-

प्रत्येक व्यक्ति को अपने आचरण का परिणाम धैर्यपूर्वक सहना चाहिए।
-विलियम शेक्सपीयर

कानून के तहत मिले अपराधियों को... 2 | कर्नाटक : भाजपा में मची 'भगदड़'... 3 | भाजपा सोशल मीडिया से झूठ और... 7

पुलिस कस्टडी में हत्याकांड पर सियासी उबाल

विपक्ष के निशाने पर आई योगी सरकार

...एक थे अशरफ व अतीक

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा हत्याकांड का मामला

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। प्रयागराज में अशरफ-अतीक अहमद की पुलिस कस्टडी में हुई हत्या पर चारों ओर से सवाल उठने लगे हैं। पूरा विपक्ष योगी सरकार पर हमलावर हो गया। वकीलों से लेकर कई अन्य संगठन के लोग इस मामले को लेकर सुप्रीमकोर्ट की चौखट पर भी पहुंच गए हैं। उधर प्रदेश की योगी सरकार ने पूरे राज्य की कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए कहा कि सुरक्षा चौकसी बढ़ा दी।

वहीं इस हत्याकांड में शामिल तीनों अपराधियों को हिरासत में ले लिया गया है। सीएम ने घटना के न्यायिक जांच के आदेश दे दिए हैं। जो दो महीनें में रिपोर्ट पेश करेगी। पुलिस के स्तर पर जांच के लिए एक एसआईटी का भी गठन कर दिया गया है।

सुप्रीम कोर्ट से की थी सुरक्षा की मांग

माफिया अतीक अहमद ने अपनी मौत से पहले सुप्रीम कोर्ट में अर्जी दाखिल कर अपनी सुरक्षा की मांग की थी। अतीक ने कहा था कि यूपी पुलिस की हिरासत में उसकी जान को खतरा है और उसे झूठे आरोपों में फंसाया गया है। हालांकि, कोर्ट ने उसकी अर्जी खारिज कर दी थी।

केस को सीबीआई में स्थानांतरित करने का आग्रह

नई दिल्ली। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या के संबंध में सुप्रीम कोर्ट में अब एक और याचिका दायर की गई है। पत्र याचिका में सुप्रीम कोर्ट से हत्या के मामले को सीबीआई को स्थानांतरित करने का आग्रह किया गया है। ये याचिका सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी अमिताभ ठाकुर ने दायर की है। बता दें कि अतीक अहमद हत्याकांड को लेकर एक दिन पहले भी सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल हो चुकी है। याचिका में शीर्ष अदालत के पूर्व जज की निगरानी में मामले की जांच करवाने की मांग की गई है। वकील द्वारा दायर याचिका में यूपी में 2017 के बाद हुए सभी एनकाउंटर की जांच करवाने के लिए भी कहा गया है। वकील विशाल तिवारी की ओर से लगाई गई इस याचिका में कहा गया है कि अतीक और उसके भाई अशरफ की हत्या की जांच के लिए एक विशेष समिति बननी चाहिए।

कस्टडी में हत्या, तो सवाल पूछना लाजमी : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस कस्टडी में हत्या पर कहा कि हत्यारा, हत्यारा होता है। इसमें हमदर्दी नहीं होनी चाहिए, लेकिन इस प्रकार से अगर कोई कस्टडी में हत्या करता है तो सवाल पूछना लाजमी है। इससे लग रहा था कि स्क्रिप्टेड है। अपराधियों का खात्मा होना चाहिए। उसके लिए तरीका है। ये कोई तरीका नहीं है।

इस तरह मार देना गलत है : नीतीश

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि झूठ कहा गया कि अपराधी प्रेसवाले बनकर आए थे। कौन आकर वहां खड़ा हो गया। पुलिस को देखना चाहिए था। पुलिस को उनकी सुरक्षा का ध्यान रखना चाहिए था। यूपी सरकार को राज्य में कानून व्यवस्था के बारे में सोचना चाहिए। न्यायालय न्याय प्रदान करने के लिए है, अपराधियों को मारना कभी समाधान नहीं है। नीतीश कुमार ने कहा कि जेल से किसी को जांच के लिए ले जाने के दौरान हत्या कर देना दुखद है। हमारे यहां कोई जेल से कोर्ट या कहीं जाता है, तो पुलिस सुरक्षा में रहती है। वहां की सरकार को इस तरह की घटना पर सोचना चाहिए। अपराधियों को मार देंगे क्या। ये कोई तरीका है।

चार जवानों की हत्या का आरोपी गनर गिरफ्तार

» बठिंडा मिलेट्री स्टेशन गोलीबारी : बोला आरोपी, आपसी रंजिश में दिया घटना को अंजाम

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बठिंडा (पंजाब)। बठिंडा मिलेट्री स्टेशन में हत्या का कारण निजी रंजिश बताया जा रहा है। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, आरोपी ने ही एफआईआर में दो सफेद कुरता पायजामा पहने लोगों के स्टेशन में घुसने की बात कही थी।

पुलिस की सख्ती से पूछताछ में आरोपी ने पूरा सच उगल दिया। बठिंडा मिलिट्री स्टेशन में पिछले बुधवार को चार जवानों की हत्या के मामले को बठिंडा पुलिस ने सुलझा लिया है। चार जवानों की हत्या के मामले में पंजाब पुलिस ने घटना के चश्मदीद गनर दिसाई मोहन को गिरफ्तार किया है। उसने आपसी रंजिश के कारण चार जवानों की गोलियां मारकर हत्या कर दी थी। एसएसपी गुलनीत सिंह खुराना ने बताया कि उक्त घटना की पंजाब पुलिस की टीम जांच कर रही थी। चश्मदीद गनर दिसाई मोहन से सख्ती से पूछताछ की गई तो जुर्म कबूल कर लिया।

कांग्रेस में शामिल हुए भाजपा के पूर्व सीएम जगदीश शेट्टार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बेंगलुरु। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार कांग्रेस में शामिल हो गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, डीके शिवकुमार, रणदीप सुरजेवाला, सिद्धारमैया और केसी वेणुगोपाल की मौजूदगी में उन्हें पार्टी की सदस्यता दिलाई। बता दें कि जगदीश शेट्टार ने रविवार को ही भाजपा से इस्तीफा दिया था।

उसके बाद से ही ऐसी चर्चाएं थी कि शेट्टार कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। शेट्टार ने भाजपा से इस्तीफा देते हुए कहा था कि उन्होंने भारी मन से पार्टी से इस्तीफा दिया है। उन्होंने कहा था कि वह जल्द ही अपनी भविष्य की योजनाओं का खुलासा करेंगे, साथ ही कहा था कि वह विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

पार्टी सशक्त होगी : खरगे

जगदीश शेट्टार के कांग्रेस में शामिल होने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि इससे पार्टी सशक्त होगी। कर्नाटक में जो माहौल है, उससे सभी खुश हैं और सभी नेता हमसे जुड़ रहे हैं। यह लिंगायत का सवाल नहीं है बल्कि वह (शेट्टार) हमारे कार्यक्रमों के चलते हमसे जुड़ रहे हैं। हम उनका स्वागत करते हैं। वहीं कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने कहा कि पूर्व सीएम, पूर्व डिप्टी सीएम या कोई सांसद अगर हमारे साथ जुड़ना चाहता है तो मैं उन सभी का स्वागत करता हूं।

प्रदेश में नहीं है संविधान और कानून का शासन : अखिलेश

» जंगलराज की गिरफ्त में फंसा प्रदेश, सड़क पर हो रही है हत्या

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि योगी सरकार कानून व्यवस्था के मामले पर नाकाम हो चुकी है। पूर्व सीएम ने कहा कि उत्तर प्रदेश जंगल राज की गिरफ्त में फंस चुका है। यहां कानून और संविधान का शासन नहीं है। अपराध की पराकाष्ठा हो गई है।

सड़कों पर खुलेआम हत्याएं हो रही हैं। अपराधियों को सत्ताधारी पार्टी का संरक्षण मिला हुआ है। सपा अध्यक्ष ने प्रयागराज प्रकरण पर सरकार पर सवाल उठाया। कहा कि मीडिया के सामने सुनियोजित तरीके से पुलिस के सुरक्षा घेरे के बीच हत्या होना सरकार की नाकामी हैं। जब पुलिस सुरक्षा घेरे के बीच सरेआम गोलीबारी करके किसी की हत्या की जा सकती है तो आम जनता कितनी सुरक्षित है, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने अराजकता का जो माहौल बनाया है, इससे जनता के बीच भय व्याप्त हो गया है। ऐसा लगता है कि कुछ लोग जानबूझकर ऐसा वातावरण बना रहे हैं। प्रदेश में सरकार नाम की कोई चीज ही नहीं बची है। लगता है सरकार की साख ही मिट्टी में मिल गई है। उन्होंने कहा कि समाजवादी सरकार के समय में जिस उत्तर प्रदेश में विकास की बात होती थी, मेट्रो, एक्सप्रेस-वे, आईटी सिटी, लैपटॉप की बात होती थी, उस उत्तर प्रदेश में अब अपराध, अपराधियों, गन और पिस्टल की चर्चा होती है। भाजपा ने नफरत फैलाकर समाज को डरा दिया है। आने वाले समय में भाजपा सरकार को यह भारी पड़ेगा। इन सबके लिए मुख्यमंत्री, ठोको मानसिकता की जिम्मेदारी से नहीं बच पाएंगे। उत्तर प्रदेश में भाजपा के सत्ता में आने के बाद योजनाबद्ध तरीके से सत्ता संरक्षण में हत्याएं हो रही हैं। पुलिस हिरासत में उत्तर प्रदेश में सबसे ज्यादा मौतें हो रही हैं। किसी भी लोकतांत्रिक देश में पुलिस अभिरक्षा में इस तरह हत्या नहीं हुई।

महापौर प्रत्याशियों में एक भी यादव को टिकट नहीं

लखनऊ। सपा ने निकाय चुनाव के उम्मीदवारों की घोषणा में क्षेत्रीय व जातीय समीकरण को साधने की भरपूर कोशिश की है। यह संदेश देने का प्रयास है कि पार्टी सभी जाति व धर्म के लोगों को साथ लेकर चलने को तैयार है। पार्टी की ओर से अब तक महापौर के घोषित उम्मीदवारों में चार ब्राह्मण, दो-दो मुस्लिम, कायस्थ व दलित और एक-एक वैश्य, गुर्जर, निषाद, कुर्मी व क्षत्रिय पर दांव लगाया गया है। अयोध्या से डॉ. आशीष पांडेय को उम्मीदवार बनाकर दोहरा संदेश दिया गया है।

इलियास ने थामा कांग्रेस का दामन

निकाय चुनाव में सबसे तगड़ा झटका सपा को लगा है। पूर्व चेयरमैन एवं जिला उपाध्यक्ष मो. इलियास ने त्यागपत्र देने के एक दिन बाद ही कांग्रेस का दामन थाम लिया। सैकड़ों समर्थकों के साथ उन्होंने कांग्रेस की सदस्यता ग्रहण की। इलियास ने कहा कि सपा में समर्पित कार्यकर्ताओं की कोई कद्र नहीं है। ऐसे व्यक्ति को टिकट दिया गया है, जिसका संगठन से कोई लेना देना नहीं है।

अतीक-अशरफ हत्याकांड पर एससी संज्ञान ले : मायावती

» एनकाउंटर प्रदेश बन जाना कितना उचित

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। माफिया अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की पुलिस कस्टडी में हुई हत्या पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने सवाल खड़े कर दिए हैं। उन्होंने ट्वीट के जरिए कहा है कि यह हत्याकांड अति गंभीर व अति चिंतनीय है। इस घटना का सुप्रीम कोर्ट अगर स्वयं ही संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करें तो बेहतर होगा।

बसपा सुप्रीमो मायावती ने कहा है कि प्रयागराज में पुलिस हिरासत में खुलेआम हुई अतीक और अशरफ की हत्या उमेश पाल जघन्य हत्याकांड की तरह ही यूपी सरकार की कानून व्यवस्था व उसकी कार्यप्रणाली पर अनेक गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े करती है। वैसे भी उत्तर प्रदेश में कानून द्वारा कानून के राज की बजाय अब इसका इनकाउंटर प्रदेश बन जाना कितना उचित है यह सोचने वाली बात है। गुजरात जेल से अतीक अहमद व बरेली जेल से लाए गए उनके भाई अशरफ की प्रयागराज में कल रात पुलिस हिरासत में ही खुलेआम गोली मारकर हुई हत्या, उमेश पाल जघन्य हत्याकाण्ड की तरह ही, यूपी सरकार की कानून-व्यवस्था व उसकी कार्यप्रणाली पर अनेकों गंभीर प्रश्नचिन्ह खड़े करती है देश भर में चर्चित इस अति-गंभीर व अति-चिन्तनीय घटना का माननीय सुप्रीम कोर्ट अगर स्वंय ही संज्ञान लेकर उचित कार्रवाई करे तो बेहतर। वैसे भी उत्तर प्रदेश में 'कानून द्वारा कानून के राज' के बजाय, अब इसका इण्काउण्टर प्रदेश बन जाना कितना उचित? सोचने की बात।

कानून के तहत मिले अपराधियों को कड़ी सजा : प्रियंका गांधी

4पीएम न्यूज नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने पुलिस कस्टडी में माफिया अतीक-अशरफ मर्डर कांड का नाम लिए बिना अपनी प्रतिक्रिया दी है। प्रियंका ने ट्वीट किया कि हमारे देश का कानून संविधान में लिखा गया है, यह कानून सर्वोपरि है। अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए, मगर यह देश के कानून के तहत होनी चाहिए।

किसी भी सियासी मकसद से कानून के राज और न्यायिक प्रक्रिया से खिलवाड़ करना या उसका उल्लंघन करना हमारे लोकतंत्र के लिए सही नहीं है। प्रियंका आगे लिखती हैं कि जो भी ऐसा करता है या ऐसा करने वालों को संरक्षण देता है, उसे भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए और उस पर भी सख्ती से कानून लागू होना चाहिए। देश में न्याय व्यवस्था और कानून के राज का इकबाल बुलंद हो, यही हम सबकी कोशिश होनी चाहिए।

सुषमा लखनऊ की महापौर प्रत्याशी

» भाजपा ने 10 नगर निगम में प्रत्याशी घोषित किए

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। भाजपा महिला मोर्चा की अवध क्षेत्र की पूर्व अध्यक्ष सुषमा खड़गवाल लखनऊ नगर निगम महापौर चुनाव में भाजपा प्रत्याशी बनाई गई हैं। पार्टी ने पहले चरण की दस नगर निगम में महापौर पद के लिए प्रत्याशी घोषित किए। औद्योगिक विकास मंत्री नंदगोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी एवं प्रयागराज की निवर्तमान महापौर अभिलाषा नंदी का टिकट काट कर प्रयागराज के महानगर अध्यक्ष उमेश चंद्र गणेश केसरवानी को प्रत्याशी बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी नगर निगम में काशी क्षेत्र के क्षेत्रीय मंत्री अशोक तिवारी को महापौर प्रत्याशी बनाया गया है। वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्वाचन क्षेत्र गोरखपुर में गोरखपुर नगर निगम में चिकित्सक एवं समाजसेवी डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव को महापौर का टिकट दिया गया है। मुरादाबाद नगर निगम में निवर्तमान महापौर विनोद अग्रवाल को लगातार दूसरी बार प्रत्याशी बनाया है। पिछड़ा वर्ग की महिला के लिए आरक्षित फिरोजाबाद नगर निगम महापौर पद पर पार्टी की कार्यकर्ता कामिनी राठौर को प्रत्याशी बनाया है। अनुसूचित जाति महिला के लिए आरक्षित आगरा नगर निगम महापौर पद पर पूर्व विधायक हेमलता दिवाकर को प्रत्याशी टिकट दिया है।

पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित सहारनपुर नगर निगम महापौर पद पर चिकित्सक डॉ. अजय कुमार को प्रत्याशी बनाया है। मथुरा- वृंदावन नगर निगम में महानगर अध्यक्ष विनोद अग्रवाल को टिकट दिया है। अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित झांसी नगर निगम महापौर के पद पर पूर्व विधायक बिहारी लाल आर्य को प्रत्याशी बनाया है।

प्रदेश में नगर निकाय चुनाव में तेज हुआ नामांकन

» बसपा से तीन, कांग्रेस व आप से एक-एक प्रत्याशी ने भरा पर्चा

4पीएम न्यूज नेटवर्क

लखनऊ। एक नगर पालिका और नौ नगर पंचायतों के अध्यक्ष पदों के लिए नामांकन प्रक्रिया के छठवें दिन को बसपा से तीन, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी से एक-एक प्रत्याशी ने पर्चा भरा। नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए पांच और नगर पंचायतों में अध्यक्ष पद के लिए 25 पर्चे भरे गए। सभासद पदों के लिए 140 पर्चे भरे गए। नामांकन के दौरान सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे।

नगर पंचायत लालगंज से कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन किया। रविवार को सदर तहसील में एसडीएम न्यायालय में नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए बसपा प्रत्याशी जगजीवन राम वाडले और आम आदमी पार्टी से पूनम किन्नर ने परचा भरा। इसके अलावा अध्यक्ष पद के लिए तीन और परचे भरे गए। नगर पालिका के 34 वार्डों के लिए 60 लोगों ने नामांकन किया। नामांकन के दौरान प्रस्तावकों के अलावा भीड़ को 200 मीटर पहले ही समर्थकों को पुलिस ने रोक दिया। नामांकन के दौरान गहमागहमी का माहौल रहा। सलोन प्रतिनिधि के अनुसार, रविवार को सलोन नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए मो. आलम, मो. असलम, चंद्रशेखर रस्तोगी, अर्चना ने पर्चा दाखिल किया। नगर पंचायत परशदेपुर में अध्यक्ष पद के लिए मो. इस्लाम, मो. कुद्दस, हेमा बानो ने नामांकन किया। नसीराबाद नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए मो. हारुन ने नामांकन किया। इसके अलावा सलोन में सभासदों के लिए 14, परशदेपुर में 17 और नसीराबाद में 26 लोगों ने नामांकनपत्र जमा किया। डलमऊ प्रतिनिधि के अनुसार, नगर पंचायत डलमऊ से अध्यक्ष पद के लिए रविवार को दो लोगों ने परचा भरा। बहुजन समाज पार्टी से घोषित उम्मीदवार मो. जुबेर ने दो सेटों में अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। निर्दलीय दिनेश कुमार ने दो सेटों में परचा भरा। भाजपा से निवर्तमान अध्यक्ष ब्रजेश दत्त गौरू टिकट मिला है।

ऊंचाहार प्रतिनिधि के अनुसार, नगर पंचायत ऊंचाहार में अध्यक्ष पद के लिए रविवार को बसपा की तबस्सु खातून ने नामांकन पत्र दाखिल किया। शनिवार को ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी से रूबीना ने अपना नामांकन किया था। महराजगंज प्रतिनिधि के अनुसार, महराजगंज नगर पंचायत से अध्यक्ष पद के लिए नामांकन नहीं हुआ, लेकिन बछरावां से तीन और शिवगढ़ से अध्यक्ष पद के लिए दो नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नगर पंचायत अध्यक्ष पद के लिए रविवार को दो व सभासद पदों के लिए 15 लोगों ने पर्चा भरा।

कर्नाटक : भाजपा में मची 'भगदड़' बिगाड़ेगी चुनाव में पार्टी का खेल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में अब एक महीने से भी कम का समय रह गया है। लेकिन प्रदेश की सत्ताधारी पार्टी भाजपा के लिए ज्यों-ज्यों चुनाव की तारीख नजदीक आती जा रही है, उतनी ही मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। क्योंकि एक ओर '40 प्रतिशत कमीशन वाली सरकार' के आरोप, तो दूसरी ओर सत्ताधारी दल में मची नेताओं की भगदड़। ये दोनों ही मुद्दे पार्टी के लिए बड़ी मुसीबतें खड़ी कर रहे हैं।

दरअसल, 224 विधानसभा सीटों वाले प्रदेश में भाजपा अब तक अपनी दो सूचियों में कुल 212 उम्मीदवारों की घोषणा कर चुकी है। भाजपा के लिए उसके उम्मीदवारों की घोषणा ही अब उसका सबसे बड़ा सिरदर्द बन गई है। क्योंकि अपनी इन दोनों ही सूचियों में पार्टी ने अपने कई सिटिंग विधायकों के टिकट काट दिए हैं। टिकट कटने वालों में प्रदेश के पूर्व सीएम और डिप्टी सीएम के नाम भी शामिल हैं। यही वजह है कि प्रत्याशियों का ऐलान होने के बाद से भाजपा में बगावत लगातार जारी है और चुनाव से पहले आए दिन सत्ता दल को झटके पर झटका लग रहा है। इस बीच आज पार्टी को एक और बड़ा झटका लगा जब भाजपा के दिग्गज नेता और प्रदेश के पूर्व डिप्टी सीएम लक्ष्मण सावदी ने भाजपा का दामन पूरी तरह से छोड़ कर कांग्रेस का 'हाथ' थाम लिया। गौरतलब है कि लक्ष्मण सावदी ने उम्मीदवारों की पहली सूची में नाम न शामिल होने पर ही विधान परिषद सदस्य और भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। सावदी को बेलागवी में अथानी निर्वाचन क्षेत्र से भाजपा द्वारा टिकट से वंचित कर दिया गया था। उनकी जगह ऑपरेशन लोटस के जरिए बीजेपी में शामिल हुए महेश कुमातल्ली को टिकट दिया गया है। टिकट न मिलने पर लक्ष्मण सावदी ने नाराजगी जताते हुए कहा था कि मैंने अपना फैसला कर लिया है। मैं भीख का कटोरा लेकर घूमने वालों में से नहीं हूं। मैं एक स्वाभिमानी राजनेता हूं। मैं किसी के बहकावे में आकर काम नहीं कर रहा हूं। सावदी ने दावा किया था कि पार्टी ने उनके साथ अन्याय किया है और यह भी कहा कि नई दिल्ली के किसी नेता ने उनसे संपर्क नहीं किया। इसके बाद से ही ये कयास लगाए जा रहे थे कि लक्ष्मण सावदी कांग्रेस या फिर किसी अन्य पार्टी का दामन थाम सकते हैं। अंततः उन्होंने कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार से मुलाकात के बाद कांग्रेस का दामन थाम लिया। लक्ष्मण सावदी का जाना भाजपा के लिए एक बड़ा झटका हो सकता है। क्योंकि सावदी प्रदेश में अपनी अच्छी पकड़ रखते हैं और यही वजह है कि वो भाजपा सरकार में राज्य के उपमुख्यमंत्री भी रहे हैं।

40

प्रतिशत कमीशन वाली सरकार के मुद्दे पर घिरी बीजेपी

प्रत्याशियों की घोषणा के बाद लगातार पार्टी छोड़ रहे नेता

भाजपा अपने सिद्धांतों से भटक गई : सावदी

लक्ष्मण सावदी ने कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार और रणदीप सुरजेवाला की मौजूदगी में कांग्रेस ज्वाइन की। कांग्रेस में शामिल होने के बाद लक्ष्मण सावदी ने भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि पार्टी अपने सिद्धांतों का पालन नहीं कर रही है। वहां केवल सत्ता की राजनीति है। पुरानी बीजेपी तो कहीं दिखती ही नहीं है। वे किसी भी कीमत पर सत्ता में रहना चाहते हैं। हमें अब कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना है। मेरा बीजेपी के साथ हो गया। सावदी ने यहां तक कहा कि मेरे मरने के बाद भी मेरे शव को बीजेपी ऑफिस के सामने से नहीं लेकर जाया जाए। इससे पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार ने लक्ष्मण सावदी के बारे में कहा था कि वह बहुत वरिष्ठ नेता हैं। उन्हें लगता है कि उन्हें भाजपा में अपमानित किया गया है और ऐसे नेता को कांग्रेस पार्टी में लेना हमारा कर्तव्य है। शिवकुमार के अलावा कांग्रेस नेता सिद्धारमैया ने कहा कि सावदी ने एक ही शर्त रखी है कि उनके साथ उचित व्यवहार हो। सावदी को अथानी का टिकट दिया जाएगा। वे कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे और मुझे उम्मीद है कि वह जीत कर आएंगे। जाहिर है कि लक्ष्मण सावदी के भाजपा से कांग्रेस में जाने से भाजपा को तगड़ा झटका लगा है। आगामी चुनाव में कांग्रेस को इसका काफी फायदा मिल सकता है। वहीं लक्ष्मण सावदी के जरिए कांग्रेस अध्यक्ष डीके शिवकुमार बेलागवी से अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी भाजपा नेता रमेश जारकीहोली को झटका देने के अवसर का उपयोग करने की योजना बना रहे हैं। इस घटनाक्रम से 18 सीटों वाले बेलागवी जिले में कांग्रेस के मजबूत होने की संभावना अब और भी बढ़ गई है।

मुरझाने वाला है 'कमल'!

कर्नाटक में भाजपा अब तक विधानसभा चुनाव में कभी भी बहुमत के आंकड़े को पार नहीं कर पाई है। हालांकि 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। ऐसे में इस बार टिकट बंटवारे के बाद से करीब 30 सीटों पर बगावत का सामना कर रही सत्ताधारी भाजपा को लगभग 10 सीटों पर नुकसान उठाना पड़ सकता है। वहीं अभी तक टिकट न मिलने पर नाराज चल रहे पार्टी के कद्दावर नेता व पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार, दिग्गज नेता के एस ईश्वरप्पा, पूर्व मत्स्य और बंदरगाह मंत्री एस अंगारा और उडुपी से तीन बार के विधायक रघुपति भट को मनाने के लिए भाजपा ने अब पूर्व सीएम बीएस येदियुरप्पा को जिम्मेदारी सौंपी है। जिसके बाद येदियुरप्पा ने पूर्व सीएम शेट्टार को 99 प्रतिशत टिकट मिलने की बात भी कही थी। हालांकि, अभी तक घोषणा नहीं हुई है। लेकिन इतना तो साफ है कि चुनाव से पहले पार्टी में मची इस तरह की भगदड़ से भाजपा को चुनाव में भारी नुकसान

होने वाला है। वहीं कहीं न कहीं पार्टी में इस तरह से नेताओं का पलायन करना ये भी दर्शाता है कि इन नेताओं को ये अंदेशा हो गया है कि आगामी चुनाव में भाजपा का 'कमल' मुरझाने वाला है। इसलिए समय रहते कोई सुरक्षित स्थान ढूंढ लिया जाए, ताकि सत्ता परिवर्तन के बाद किसी तरह का जोखिम न रहे। एक ओर साहेब लगातार कर्नाटक की दौड़ लगा रहे हैं, लेकिन दूसरी ओर पार्टी से नेताओं को रवानगी लगातार जारी है।

भ्रष्टाचार का मुद्दा भाजपा सरकार के लिए मुसीबत

फिलहाल चुनाव से ऐन वक्त पहले सत्ताधारी भाजपा अब पूरी तरह से मुश्किलों में घिरी नजर आ रही है। एक तो पार्टी से विधायकों व नेताओं का पलायन मुसीबत बना हुआ है, तो वहीं दूसरी ओर विपक्ष 40 प्रतिशत कमीशन के आरोप लगाकर भाजपा सरकार को घेर रही है। दरअसल, प्रदेश की बोम्मई सरकार पर पूरे कार्यकाल के दौरान ही भ्रष्टाचार के तमाम तरह के आरोप लगते रहे हैं। अब इसी मुद्दे को लेकर कांग्रेस इस बार के चुनावी मैदान में उतरी है। कांग्रेस भाजपा को 40 प्रतीशत कमीशन लेने के मामले पर घेर रही है। दरअसल, कांग्रेस लगातार ये आरोप लगाती रही है कि भाजपा सरकार ठेकेदारों, गैर-सहायता प्राप्त निजी स्कूलों और यहां तक कि कुछ धार्मिक संस्थानों को मिलने वाले अनुदान पर 40 प्रतिशत कमीशन वसूलती है। वहीं जब भाजपा विधायक के घर से करोड़ों रुपए रिश्वत के रूप में बरामद हुए थे, तब इन आरोपों की काफी हद तक पुष्टि भी हुई थी। वैसे भी कांग्रेस ने ये आरोप लगाने तब शुरू किए थे जब प्रदेश के कुछ ठेकेदारों ने बोम्मई सरकार पर 40 प्रतीशत कमीशन लेने के आरोप लगाए थे। अब इन्हीं आरोपों को लेकर प्रदेश में भाजपा मुसीबतों में घिरती जा रही है। क्योंकि जनता भी इन आरोपों से इत्तेफाक रख रही है। कहीं न कहीं 40 प्रतीशत कमीशन के मसले को अगर समय रहते पार्टी द्वारा हल कर लिया गया होता, तो शायद चुनाव से पहले भाजपा कुछ बेहतर स्थिति में नजर आती है। एक ओर प्रधानमंत्री मोदी देश से भ्रष्टाचार को मिटाने की बात कहते फिर रहे हैं। तो वहीं दूसरी ओर कर्नाटक में उनकी ही सरकार पर पिछले चार साल से लगातार भ्रष्टाचार के तमाम तरह के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में एक सवाल तो ये भी उठता है कि आखिर साहेब हर जगह देश से भ्रष्टाचार मिटाने का दंभ भरते रहते हैं, तो फिर अपनी ही सत्ता वाले राज्य में उनका ये जुमला कहां गया। फिलहाल प्रदेश के मौजूदा हालात और भाजपा की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इतना तो साफ लग रहा है कि राज्य की जनता ने इस बार चुनाव में भाजपा की भ्रष्ट सरकार को हटाने का फैसला कर लिया है। अब देखना है कि साहेब लगातार कर्नाटक की दौड़ लगाकर वहां के माहौल और परिस्थिति में कितना परिवर्तन कर पाते हैं। इसके लिए हमें 13 मई को चुनाव परिणाम आने का इंतजार करना पड़ेगा।

नाराज विधायक लगातार छोड़ रहे भाजपा

वैसे सिर्फ लक्ष्मण सावदी ही नहीं, टिकट न मिलने पर पूरी पार्टी में भगदड़ मच गई है। और उसके कई बड़े नेता व विधायक पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। चुनाव से ठीक पहले पार्टी में इस तरह की भगदड़ मचना और मौजूदा विधायकों का पार्टी छोड़ना भाजपा को चुनाव में काफी बड़ा झटका दे सकता है। कर्नाटक में बीजेपी को अपने नेताओं से भावनात्मक रूप से आरोपित विद्रोह का सामना करना पड़ रहा है। लक्ष्मण सावदी के अलावा, एमपी कुमारस्वामी और नेहरू ओलेकर जैसे कई बड़े नेता पार्टी का साथ छोड़ रहे हैं। पार्टी छोड़ने वाले हर नेता ने पार्टी में वफादारी के बदले धोखा मिलने का आरोप भी लगाया। वहीं एमपी कुमारस्वामी ने अपने टिकट कटने का आरोप सीटी रवि पर लगाया तो वहीं अनुसुचित समुदाय से आने वाले 65 वर्षीय विधायक नेहरू ओलेकर ने टिकट न मिलने के लिए सीएम बोम्मई को जिम्मेदार बताया और उन पर कई तरह के आरोप भी लगाए।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर फायरिंग सुरक्षा को चुनौती

पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर बुधवार तड़के हुई फायरिंग की घटना जितनी गंभीर है, उतनी ही रहस्यमय भी साबित हो रही है। सेना के चार जवानों की मौत तो एक बड़ा सदमा है ही, उससे भी बड़ी बात यह है कि इस मिलिट्री स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ऐसे सवाल उठे हैं, जो हमारी सेना की छवि के अनुरूप नहीं लगते।

पुलवामा में सेना की वैन पर हमले की वजह से कई जवान मारे गए थे। उस समय इंटेलिजेंस पर सवाल उठे थे। एकबार फिर पंजाब के बठिंडा में मिलिट्री स्टेशन पर हुई फायरिंग ने कई प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यह घटना गंभीर होने के साथ ही रहस्य से भरी भी दिख रही है। सबसे बड़ी बात मिलिट्री स्टेशन की सुरक्षा को लेकर उठ रहे हैं। यह हमारी सेना की छवि के अनुरूप तो बिल्कुल नहीं है। पंजाब के बठिंडा मिलिट्री स्टेशन पर बुधवार तड़के हुई फायरिंग की घटना जितनी गंभीर है, उतनी ही रहस्यमय भी साबित हो रही है। सेना के चार जवानों की मौत तो एक बड़ा सदमा है ही, उससे भी बड़ी बात यह है कि इस मिलिट्री स्टेशन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर ऐसे सवाल उठे हैं, जो हमारी सेना की छवि के अनुरूप नहीं लगते। शुरू में ही कहा गया कि यह कोई आतंकी हमला नहीं है, बाहर से कोई नहीं आया। इसी क्रम में इसे फ्रैक्ट्रिसाइड यानी भ्रातृहत्या बताया गया। यानी किसी वजह से कोई नाराज सैनिक खुद पर काबू नहीं रखा पाया और गुस्से में फायरिंग कर उसने साथी जवानों की जान ले ली। लेकिन दो दिन पहले इंसास राइफल और उसकी गोलियां गायब हुई थीं, जिनका इस हमले में इस्तेमाल होने की बात कही जा रही है। अगर यह बात सही है तो इसका मतलब यह एक सुनियोजित घटना थी। यह भी कहा जा रहा है कि हमलावर एक से ज्यादा थे। कुर्ता-पायजामा पहने दो नकाबपोशों को जंगल की ओर भागते देखा भी गया। यह बात भी इस घटना के फ्रैक्ट्रिसाइड होने की संभावना को खंडित करती है। दूसरी बात यह कि जब हमलावरों को पकड़ा नहीं जा सका है और न ही उनकी पहचान हो पाई है तो फिर यह बात दावे से कैसे कही जा सकती है कि इसके पीछे कोई आतंकी साजिश नहीं हो सकती? क्या यह हो सकता है कि सेना से जुड़े एकाध लोगों के जरिए इस पूरी साजिश को अंजाम दिया गया हो? क्या ऐसा भी हो सकता है कि जिन हमलावरों को जंगल की ओर भागा माना जा रहा है, वे मौका निकालकर किसी तरह वापस कैंट में आ गए हों। अगर उनकी पहचान नहीं हुई है तो एक बार अन्य जवानों में मिल जाने के बाद उन्हें अलग करना मुश्किल होगा। कुछ और भी तथ्य हैं जिनके ठोस स्पष्टीकरण नहीं मिल रहे। चूंकि यह देश की सुरक्षा और सेना की छवि से जुड़ा अत्यंत महत्वपूर्ण मसला है इसलिए इसमें किसी तरह की कयासबाजी नहीं की जानी चाहिए। लेकिन इन पहलुओं को अनदेखा भी नहीं किया जा सकता। खबरों के मुताबिक सेना और सरकार दोनों ने इसे काफी गंभीरता से लिया है और इस पूरे प्रकरण के हर पहलू पर बारीकी से जांच करवाई जा रही है। उम्मीद की जाए कि जांच के बाद न केवल सभी सवालों के जवाब मिलेंगे बल्कि सुरक्षा व्यवस्था में आई खामियों को भी दुरुस्त किया जाएगा।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

राजस्थान में राज बदलेगा या रिवाज?

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान विधानसभा के चुनाव होने में सिर्फ सात महीने का समय रह गया है। ऐसे में अब सभी राजनीतिक दल अपने संगठन को मजबूत बना कर चुनावी व्यूह रचना बनाने में लग गए हैं। जहां सत्तारुढ़ कांग्रेस पार्टी के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का मानना है कि उनकी लोक हितकारी योजनाओं से इस बार के चुनाव में हर बार सत्ता बदलने का रिवाज बदल जाएगा। वहीं भाजपा सहित सभी विपक्षी दलों के नेताओं का मानना है कि प्रदेश की जनता गहलोत सरकार को हटाकर राज बदलने को तैयार बैठी है। वोट पड़ेंगे तब राज बदल जाएगा।

राजस्थान में सबसे पहले आम आदमी पार्टी ने कोटा के नवीन पालीवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाकर अपने संगठन को मजबूत करने की दिशा में काम करना प्रारंभ कर दिया है। आप ने विधानसभा चुनाव का प्रभारी राज्यसभा सांसद व पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक को पहले ही नियुक्त कर रखा है। दिल्ली के द्वारका से विधायक विनय मिश्रा को राजस्थान का प्रभारी बनाया गया है। इसके साथ ही पार्टी ने दिल्ली, पंजाब और गुजरात के 7 विधायकों- अमनदीप सिंह गोल्डी, नरेश यादव, चेतर वसावा, नरेंद्र पाल सिंह सवाना, हेमंत खावा, शिवचरण गोयल और मुकेश अहलावत को सह प्रभारी लगाया है।

पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने के लिए दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान जयपुर में रोड शो करके एक जनसभा को भी संबोधित कर चुके हैं। हालांकि पिछले विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी का ट्रैक रिकॉर्ड बहुत ही खराब रहा था। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रहे रामपाल जाट को 628 वोट ही मिल पाए थे। यही हाल अन्य प्रत्याशियों का रहा था। 2018 के चुनाव में आप को प्रदेश में 0.38 प्रतिशत वोट मिले थे। हालांकि अब पार्टी के नेता प्रदेश में अगली सरकार बनाने का दावा कर रहे हैं। राजस्थान में मुख्य विपक्षी दल भाजपा भी विधानसभा चुनाव की तैयारी करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने 1.22 प्रतिशत यानी एक लाख 77 हजार 699 वोट अधिक प्राप्त कर 79 सीट अधिक जीत ली थी। वहीं इतने वोटों के अंतर पर भाजपा की 90 सीटें कम हो गई थी। जिससे भाजपा सत्ता से बाहर हो गई थी। अपनी पिछले विधानसभा चुनावों की कमी को दूर

करने के लिए भाजपा अभी से जुट गई है। आगामी विधानसभा चुनाव को देखते हुए भाजपा प्रदेश की राजनीति में सोशल इंजीनियरिंग के फार्मूले पर काम कर रही है।

पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पद पर ब्राह्मण समाज के चंद्रप्रकाश जोशी (सीपी जोशी) को नियुक्त किया गया है। सीपी जोशी चित्तौड़गढ़ से दूसरी बार लोकसभा सदस्य हैं। जयपुर में कुछ दिनों पूर्व ही ब्राह्मण समाज ने लाखों लागों को एकत्रित कर एक विशाल सम्मेलन का आयोजन किया था। जिसमें ब्राह्मण समाज ने प्रदेश की सभी पार्टियों से उनके समाज को सत्ता में अधिक भागीदारी देने की मांग की थी। उस सम्मेलन के कुछ दिनों बाद ही भाजपा ने सीपी जोशी की प्रदेश अध्यक्ष के रूप में ताजपोशी कर दी।

भाजपा ने राजपूत समाज के सातवीं बार विधायक बने राजेंद्र राठौड़ को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष नियुक्त किया है। जबकि प्रदेश अध्यक्ष पद से हटाए गए डॉक्टर सतीश पूनियां को विधानसभा में उपनेता प्रतिपक्ष बना कर जाट समाज को भी साधने का काम किया है। सतीश पूनियां पहली बार आमेर से विधायक बने हैं। इसलिए उन्हें उपनेता का पद ही मिल पाया है। चर्चा है कि मीणा समाज के राज्यसभा सदस्य डॉक्टर किरोड़ीलाल मीणा को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है। राजपूत समाज के गजेंद्रसिंह शेखावत, यादव (अहीर) समाज के डॉक्टर भूपेंद्र यादव, ब्राह्मण समाज के अश्विनी वैष्णव केंद्र सरकार में कैबिनेट मंत्री हैं।

जाट समाज के कैलाश चौधरी, अनुसूचित जाति के अर्जुन राम मेघवाल केंद्र सरकार में राज्य मंत्री हैं। बनिया समाज के ओम बिरला लोकसभा अध्यक्ष हैं। वही गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बनाया गया है। झुंझुनू से सांसद, केंद्र सरकार में उप मंत्री, अजमेर जिले के किशनगढ़ से विधायक व पश्चिम बंगाल के राज्यपाल रहे जगदीप धनखड़ भी उपराष्ट्रपति पद पर हैं। गुर्जर समाज की अलका गुर्जर भाजपा की राष्ट्रीय सचिव हैं। ओमप्रकाश माथुर केंद्रीय चुनाव समिति के सदस्य हैं। अभी तक पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे या उनके किसी समर्थक को भाजपा चुनाव अभियान समिति का संयोजक बनाने की चर्चा चल रही थी। मगर कांग्रेस नेता सचिन पायलट द्वारा उन पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाने के बाद पार्टी में उनकी भूमिका कम हो सकती है।

मौसम-माहौल में बदलाव से उपजी विकट स्थिति

गुरबचन जगत

कभी बैसाखी का आना खुशियों का मौसम हुआ करता था, परिपूर्णता और गतिविधियों से लबरेज़। यह वर्ष 1699 में बैसाखी का दिन था जब खालसा पंथ का जन्म हुआ था। मशीनीकरण होने से पहले, कृषि कार्य निरोल रूप से मानवीय श्रम आधारित थेङ्क बुवाई, कटाई, बालियों से दाने अलहदा करना, निकले दाने संभालना। फिर किसान उत्पाद लेकर मंडी जाते और मंडियां आढ़तियों, विक्रेता-खरीदार की गतिविधियों से गुलजार हो उठती। पैसा हाथ बदलता और किसान एवं व्यापारी अपने-अपने घर को खनकती जेबें और बच्चों के लिए उपहार लेकर जाते। यह समय होता भांगड़ा डालने और अन्य आमोद-प्रमोद गतिविधियों का, बशर्ते मौसम और भगवान मित्रवत? हों।

हालांकि हर गुजरता साल हमारे कृषि क्षेत्र की नाजुकता दर्शाने लगा है, जिसको आज की तारीख में बदलते मौसम से और अधिक खतरा होने लगा है। उत्तर भारत में इस साल रबी का मौसम अजीब रहा, पहले 2022-23 में अधिकांश समय सूखा रहा तो मार्च में बहुत अधिक बारिश देखी। एक तो सूखे ने फसलों की वृद्धि को लगाम लगा दी, फिर बारिश और तेज-हवा-ओलावृष्टि ने जमीन पर बिछा डाला, जिससे अन्न की गुणवत्ता और मात्रा खराब हुई है।

हालांकि खेती का अब काफी हद तक मशीनीकरण हो चुका है लेकिन कम्बाइन मशीनें, जिन पर किसान कटाई के लिए काफी निर्भर हैं, वह बिछी फसल में कारगर नहीं रह पातीं, तब कटाई हाथों से करनी पड़ती है। लेकिन इससे कटाई मजदूरों की कमी बन जाती है और मेहनताना अचानक बहुत बढ़ जाता है। कुल मिलाकर यह साल किसान के लिए हारा हुआ खेल है, मंडियों में बारिश से खराब हुए दाने की खरीद आसानी से नहीं हो पाएगी।

मुझे पक्का यकीन है, सदा की भांति, चांद-सितारों का वादा करते राजनीतिक नेतृत्व ने अपना कहा पूरा नहीं कर दिखाया होगा। वर्ना अब तक तो किसानों, मंडियों और खरीदार एजेंसियों तक व्यवस्थित इंतजाम बनाने और ठोस धरातल पर परिणाम प्राप्त करने हेतु निगरानी के लिए विधायक, मंत्री और नौकरशाह अंदरूनी ग्रामीण अंचल पहुंच चुके होते। सतह के ऊपर, यह काम न्यूनतम प्रतिक्रियात्मक प्रक्रिया वाला हो सकता था लेकिन काफी देर बाद में नींद खुलने पर क्रियान्वयन करने और खेती के लिए एक अधिक सोच-विचार युक्त रवैया रखने के बारे में क्या कहें? मौसम में बदलाव अब एक हकीकत है, यह भूमिगत जल की सतह बहुत नीचे चले जाने और मिट्टी की गुणवत्ता का ह्रास जितना यथार्थ है। यहां अपने स्वास्थ्य की बात क्या करें, गेहूं-चावल का अनवरत फसली चक्र, जिसके उत्पादन में रासायनिक खादों और कीटनाशकों का अंधाधुंध प्रयोग होता है, वह हमारे लिए कितना लाभप्रद होगा? आज न केवल हाथ से होने वाली बिजाई बीते दिनों की बात हो चुकी है बल्कि परम्परागत फसलें जैसे कि चारा, मोटा अनाज, मूंगफली और दालों के पुश्तैनी बीज भी हम गंवा चुके हैं।

पुराने वक्त का फसल-चक्र हरित क्रांति और देश की खाद्यान्न निर्भरता बनाने की भेंट चढ़ गया। आज किसानी को टिकाऊ बनाने के लिए एक नई योजना की ओर मोड़ने की जरूरत है। अफसोस कि यह योजना कभी न बन पाई और किसान को अकेले पड़कर, अपना हल जोतते रहना पड़ रहा है और हम यानी लोगों को उस विविधतापूर्ण अन्न से महरूम रहना पड़ रहा है जो हमारी धरती मां हमें देना चाहती है। हमारे मेज पर लगे खाने की गुणवत्ता चाहे-अनचाहे खेत और खेती से जुड़ी है, इसको हम अपनी खुद की और भावी नस्लों के स्वास्थ्य की कीमत पर नज़रअंदाज कर सकते हैं। बैसाखी कभी वह मौसम था जब तमाम आस्थावानों की भारी संख्या गुरुद्वारों और मंदिरों का रुख करती। यह तीर्थयात्रा सरीखे होते और हवा में संयुक्त रूप से खुशियां मनाने की खुशबू जुड़ जाती। इन पवित्र स्थानों की ओर जाती सब राहों पर जगह-जगह लंगर लगते, जहां पर स्वयंसेवक आपको रुककर लंगर ग्रहण करने की मनुहार करते। अब तो त्योहार कोई भी हो, वह पहले-सा जिज्ञासापूर्ण कौतूहल नहीं रहा, जो कभी हुआ करता था। अब तो उलटे इनकी आमद से आशंका पैदा होती है। किसी भी बड़े त्योहार आने से पहले, पुलिस-प्रशासन द्वारा चौकसी बरतने के परामर्श जारी होने लगते हैं, चेतावनियां जारी होती हैं, पुलिस बल फ्लैग मार्च करते हैं। कुछ जगहों पर, हिंसा हो जाती है, मामले दर्ज होते हैं और कुछ शरारती तत्वों की धरपकड़ होती है। परंतु इस हिंसा के सूत्रधारों का क्या, इनके पीछे के अदृश्य हाथों का क्या? जहां तक मेरी याददाश्त है, आजादी के बाद, सैकड़ों की संख्या में हुए दंगों में शायद ही कभी कोई बड़े नेता को या समूह को पकड़ा गया हो। जांच आयोग बिठा दिए जाते हैं, जिनकी दी रिपोर्टें सत्ता के गलियारों में धूल फांकती हैं या फिर उन गुप्त तिजोरियों में दफन कर दी जाती हैं जहां कभी दिन की रोशनी नहीं पहुंचती। इस किस्म की जांचें सामान्यत: दंगों के कारणों को खोज निकालती हैं और भविष्य के लिए एहतियाती उपाय भी सुझाती हैं।

जिन प्रसंगों में हालत दियासिलाई की एक तिल्ली यानी एक नारे से अचानक विस्फोटक बन जाते हैं, उसके पीछे अवश्य ही पहले से चले आ रहे कुछ कारण होते होंगे।वहीं दूसरी ओर सरकारें, त्योहारों से जुड़े दंगे-फसादों से निपटने में ज्यादा मशगूल लगती हैं, खासकर जुलूसों के दौरान भड़की हिंसा में, जिसमें दंगा भड़काने वाले एजेंट अराजकता को उकसाते हैं, जैसा कि पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, बिहार इत्यादि में देखा गया। पंजाब के क्षितिज पर एक नया खतरा मंडराने लगा है। एक संगठन जिसका कुछ महीने पहले तक वजूद तक नहीं था, वह समाचारों की सुर्खियां और राजनीतिक चर्चाओं के ध्यान का केंद्र बना है। इस तथाकथित आंदोलन, संगठन, इसकी सदस्यता और नेतृत्व के पीछे के मूल स्रोत को लेकर लोगों को भरोसे में लेना बाकी है।

विटामिन डी

विटामिन डी एक आवश्यक पोषक तत्व है, जो शरीर को कैल्शियम को अवशोषित करने में मदद करता है। इससे हड्डियों को मजबूत बनाए रखने मदद मिलती है। विटामिन डी प्रतिरक्षा प्रणाली को बढ़ाने, स्वस्थ्य मस्तिष्क को बढ़ावा देने और सूजन को कम करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शरीर में विटामिन डी की कमी से ऑस्टियोपोरोसिस, डिप्रेशन और कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम बढ़ने का खतरा हो सकता है। शरीर में विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए महिलाएं धूप में समय बिता सकती हैं, विटामिन डी से भरपूर फूड्स जैसे फैटी मछली, अंडे की जर्दी या फिर विटामिन डी सप्लिमेंट्स ले सकती हैं।

कैल्शियम

हड्डियों के स्वास्थ्य, मांसपेशियों के फंक्शन के लिए कैल्शियम महत्वपूर्ण है। महिलाओं में कैल्शियम की कमी का खतरा अधिक होता है, खासकर मेनोपॉज के बाद हड्डियों का नुकसान तेजी से होता है। कैल्शियम के निम्न स्तर को ऑस्टियोपोरोसिस से जोड़ा गया है, जिससे फ्रैक्चर का खतरा बढ़ सकता है। डेयरी प्रोडक्ट्स, पत्तेदार साग, बादाम, और फोर्टिफाइड फूड्स का सेवन करके या कैल्शियम सप्लीमेंट की मदद से कैल्शियम के स्तर को बढ़ाया जा सकता है।

महिलाओं के लिए बेहद जरूरी हैं ये विटामिन्स

महिलाएं अक्सर दूसरे कामों को प्राथमिकता देने के लिए अपनी सेहत को नजरअंदाज कर जाती हैं। इसका असर उन्हें भले ही तुरंत न दिखता हो, लेकिन यह याद रखना महत्वपूर्ण है कि लंबे समय में यह कमजोरी और अन्य बीमारियों का कारण बन सकती है। शरीर को अपना सर्वोत्तम प्रदान करने के लिए कुछ विशेष विटामिन्स की जरूरत होती है। इनसे हमारे शरीर को ऊर्जा, विकास और दैनिक दिनचर्या को अच्छे से निभाने में मदद मिलती है।

विटामिन बी 12

रेड ब्लड सेल्स के निर्माण, डीएनए संश्लेषण और नर्व के बेहतर फंक्शन के लिए विटामिन बी 12 महत्वपूर्ण है। जो महिलाएं शाकाहारी आहार का पालन करती हैं उनमें विटामिन बी 12 की कमी का खतरा ज्यादा होता है क्योंकि यह मुख्य रूप से पशु उत्पादों में पाया जाता है। विटामिन बी 12 के निम्न स्तर से थकान, कमजोरी जैसी समस्या हो सकती है। अनाज, प्लांट बेस्ड मिल्क या का सेवन कर सकती हैं। इसके अलावा विटामिन बी 12 की कमी को पूरा करने के लिए विटामिन बी 12 के सप्लिमेंट्स भी ले सकती हैं।

फोलेट

फोलेट को विटामिन बी9 के रूप में भी जाना जाता है। गर्भावस्था के दौरान भ्रूण के विकास और डीएनए संश्लेषण और लाल रक्त कोशिका के निर्माण के लिए यह काफी महत्वपूर्ण होते हैं। जो महिलाएं गर्भवती हैं या गर्भवती होने की योजना बना रही हैं, उन्हें प्रेग्नेंसी कॉम्पलीकेशन्स के जोखिम को कम करने के लिए प्रति दिन 400-800 माइक्रोग्राम फोलेट का सेवन करने की सलाह दी जाती है। फोलेट के निम्न स्तर को डिप्रेशन और कुछ प्रकार के कैंसर के बढ़ते जोखिम से भी जोड़कर देखा जाता है। पत्तेदार साग, बीन्स, दाल, और कुछ अनाज जैसे फूड्स का सेवन कर या फोलेट सप्लीमेंट लेकर अपने अंदर फोलेट की कमी को पूरा कर सकती हैं।

आयरन

आयरन हीमोग्लोबिन के उत्पादन के लिए आवश्यक है। ये रेड ब्लड सेल्स एक प्रोटीन की तरह हैं, जो पूरे शरीर में ऑक्सीजन को बहाल करता है। मासिक धर्म और गर्भावस्था के दौरान खून की कमी के कारण महिलाओं में आयरन की कमी का खतरा अधिक होता है। आयरन की कमी के लक्षणों में थकान, कमजोरी और त्वचा का पीला पड़ना शामिल है। रेड मीट, पोल्ट्री, मछली, बीन्स और फोर्टिफाइड अनाज जैसे आयरन युक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करके इसकी कमी को दूर किया जा सकता है।

हंसना मना है

टीचर- A B C D सुनाओ, संता - A B C D टीचर- और सुनाओ.. संता- और सब बढ़िया, आप सुनाओ!

मास्टर- कल स्कुल क्यूं नहीं आये? बबलू- गर्ल्फ्रेंड से मिलने गया था, मास्टर- किस लिये? बबलू- जी सर, मास्टर- मैंने पूछा किस लिये? बबलू- लिये सर बहुत लिये!!

टीचर- कौनसा पंछी सबसे तेज उड़ता है? स्टूडेंट - सर, हाथी। टीचर- नालायक, तेरा बाप क्या करता है? स्टूडेंट- दाउद के गैंग में शूटर है। टीचर- शाबाश। टीचर-लिखो बच्चो हाथी।

टीचर- बच्चो, वादा करो कि कभी शराब, सिगरेट नहीं पिओगे। बच्चे- नहीं पीएंगे। टीचर-कभी लड़कियों का पीछा नहीं करोगे! बच्चे-नहीं करेंगे। टीचर-लड़कियों से दोस्ती नहीं करोगे! बच्चे-नहीं करेंगे। टीचर - वतन के लिए जान दे दोगे! बच्चे- दे देंगे, ऐसी जिन्दगी का करेंगे भी क्या!

टीचर- राजू तुम किस लिए कॉलेज आते हो। छात्र- विद्या के लिए सर। टीचर- तो आज तुम सो क्यों रहे हो। छात्र - आज विद्या नहीं आई है सर!

कहानी | ज्ञानी बालक और राजा

कई वर्षों पहले की बात है। युधिष्ठिर नाम का एक राजा हुआ करता था। उसे शिकार का बड़ा शौक था। एक बार वह अपने सैनिकों के साथ शिकार के लिए जंगल गया हुआ था। वो जंगल काफी घना था। शिकार की तलाश में वह जंगल में काफी अंदर तक चला गया था। तभी वहां अचानक तेज तूफान आ गया। सब तितर-बितर हो गए। जब बारिश रुकी तो राजा ने देखा कि उसके आस-पास कोई भी नहीं है। राजा अकेला था। उसके सैनिक उससे बिछड़ गए थे। शिकार की तलाश में भटकने की वजह से राजा थक भी गया था। भूख और प्यास के मारे उसका बुरा हाल हो रहा था। तभी उसे तीन लड़के आते दिखे। राजा उनके पास गया और बोला कि भूख और प्यास के मारे मेरी जान निकल रही है। क्या मुझे कुछ खाना और पानी मिल सकता है। लड़कों ने बोला क्यों नहीं और वे भागकर अपने घर गए और राजा के लिए भोजन और पानी लेकर आए। खाना खाने के बाद राजा बहुत खुश हुआ और उसने उन लड़कों को बताया कि वह फतेहगढ़ का राजा है और तीनों ने जो उसकी मदद की उससे वह बहुत खुश है। राजा ने तीनों लड़कों की सेवा से खुश होकर उन्हें बदले में कुछ मांगने के लिए कहा। इसपर पहले लड़के ने राजा से ढ़ेर सारा धन मांगा, ताकि वह आराम से अपना जीवन व्यतीत कर सके। इसके बाद, दूसरे लड़के ने घोड़ा और बंगले की मांग की, लेकिन तीसरे लड़के ने राजा से धन, दौलत की जगह ज्ञान मांगा। उसने बोला राजा मैं पढ़ना चाहता हूं। राजा राजी हो गया। उसने पहले लड़के को वादानुसार बहुत सारा धन दिया। दूसरे लड़के को बंगला और गोड़ा दिया और तीसरे लड़के के लिए टीचर की व्यवस्था कर दी। बहुत दिन बीतने के बाद एक दिन अचानक राजा को जंगल वाली घटना याद आई, तो उसने उन तीनों लड़कों से मिलना चाहा। उसने तीनों को खाने पर आमंत्रित किया। तीनों लड़के एक साथ आए और खाना खाने के बाद राजा ने तीनों से उनका हाल लिया। इस पर पहला लड़का दुखी होकर बोला- इतना धन पाने के बाद भी आज मैं गरीब हूं। राजा जी आपने जितना धन दिया था अब वह खत्म हो चुका है। मेरे पास कुछ नहीं बचा। राजा ने दूसरे लड़के की तरफ देखा तो उसने कहा- आपके द्वारा दिया गया गोड़ा चोरी हो गया और बंगला बेचकर जो पैसा आया वो भी कुछ खर्च हो चुका है और बचा हुआ भी जल्द खत्म हो जएगा। हम तो फिर वहीं आ गए, जहां से चले थे। अब राजा ने तीसरे लड़के की ओर देखा। तीसरे लड़के ने बोला- राजा मैंने आपसे ज्ञान मांगा था, जो रोजाना बढ़ रहा है। इसी का नतीजा है कि मैं आज आपके दरबार में मंत्री हूं। आज मुझे किसी चीज की जरूरत नहीं है। यह सुनकर दोनों युवकों को काफी अपसोस हुआ।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वाहन, मशीनरी व अग्नि आदि के प्रयोग में विशेषकर स्त्रियां सावधानी रखें। कार्यों की गति धीमी रहेगी।

वृषभ आशंका-कुशंका के चलते कार्य की गति धीमी रह सकती है। घर-परिवार के किसी सदस्य के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। वैवाहिक प्रस्ताव प्राप्त हो सकता है।

मिथुन जीवनसाथी से कहासुनी हो सकती है। संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। बेरोजगारी दूर होगी। करियर बनाने के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में प्रशंसा प्राप्त होगी।

कर्क बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। लाभ के असवर हाथ आएंगे। यात्रा में सावधानी रखें। किसी पारिवारिक आनंदोत्सव में हिस्सा लेने का मौका मिलेगा।

सिंह धन का नुकसान या कोई बुरी खबर प्राप्त हो सकती है। पारिवारिक चिंताएं रहेंगी। मेहनत अधिक तथा लाभ कम होगा। दूसरों से अपेक्षा न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा।

कन्या मित्रों की सहायता कर पाएंगे। मेहनत का फल मिलेगा। मान-सम्मान मिलेगा। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। नौकरी में उच्चाधिकारी की प्रसन्नता रहेगी।

तुला दूर से अच्छी खबर प्राप्त हो सकती है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। कोई बड़ा काम करने की योजना बनेगी। पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर में अतिथियों पर व्यय होगा।

वृश्चिक प्रेम-प्रसंग में जल्दबाजी न करें। शारीरिक कष्ट से कार्य में रुकावट होगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। नौकरी में अनुकूलता रहेगी।

धनु अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। यात्रा में जल्दबाजी न करें, नुकसान संभव है। चिंता तथा तनाव बने रहेंगे। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा।

मकर विवेक का प्रयोग लाभ में वृद्धि करेगा। कोई बड़ी बाधा से सामना हो सकता है। राजभय रहेगा। जल्दबाजी व विवाद करने से बचें। रुका हुआ धन मिल सकता है।

कुम्भ समाजसेवा में रुझान रहेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। नई आर्थिक नीति बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। पुरानी व्याधि से परेशानी हो सकती है। नौकरी में प्रभाव बढ़ेगा।

मीन राजकीय अवरोध दूर होंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। धर्म-कर्म में मन लगेगा। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। निवेश शुभ रहेगा।

बॉलीवुड | बॉक्स ऑफिस

राजकुमार-श्रद्धा की स्त्री 2 बड़े पर्दे पर धमाल मचाने को तैयार

बॉलीवुड इंडस्ट्री में हॉरर फिल्मों का क्रेज हमेशा ही देखने को मिलता है। ऐसे ही साल 2018 में आई राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की हॉरर-कॉमेडी फिल्म स्त्री ने थिएटर में दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी थी। फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर जबर्दस्त रिस्पॉन्स मिला था। अमर कौशिक के निर्देशन में इस फिल्म को ऑडियंस ने अपना खूब प्यार दिया था। अब दर्शकों के प्यार को देखते हुए इस फिल्म के मेकर्स और कास्ट ने इसके अगले सीक्वल का ऐलान किया है। जी हां, आपने एकदम सही सुना, स्त्री के मेकर्स ने फैंस को एक बहुत बड़ी खुशखबरी दी है और फिल्म स्त्री के अगले सीक्वल का ऐलान किया है। खबर है कि स्त्री एक बार फिर सिनेमाघरों में लौटने वाली है। फिल्म का सीक्वल कब आएगा, इसकी रिलीज डेट का आधिकारिक तौर पर ऐलान कर दिया गया है। गौरतलब है कि फिल्म स्त्री में मेकर्स ने ऑडियंस को पूरी तरह कंफ्यूज कर दिया था, उनके मन में ऐसे सवाल खड़े कर दिए थे, जिसका उत्तर मिल पाना फिल्म में संभव नहीं था। अब मेकर्स ने इसी को देखते हुए मेकर्स ने अगले पार्ट की घोषणा की है। ज्यादा इंतजार ना करवाते हुए आपको इस सीक्वल के रिलीज डेट भी बता देते हैं। फिल्म मेकर्स ने जानकारी दी फिल्म का दूसरा पार्ट अगले साल यानी कि अगस्त 2024 में आएगा। इस फिल्म के पार्ट 2 में राजकुमार राव, श्रद्धा कपूर, अभिषेक बनर्जी, पंकज त्रिपाठी और अपारशक्ति खुराना ही एक बार फिर से नजर आने वाले हैं और दर्शकों का मनोरंजन करने वाले हैं। आपको बता दें कि उधर, सीक्वल की घोषणा होने के बाद लोगों में एक बार फिर राजकुमार राव और श्रद्धा कपूर की जोड़ी और उनकी हॉरर-कॉमेडी को बड़े पर्दे पर देखने की उत्सुकता बनी हुई है।

रणबीर को सबके सामने आलिया ने किया किस

पत्नी का प्यार देख शर्माए अभिनेता, अच्छे मूड में नजर आए एक्टर-एक्ट्रेस

हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के क्यूट कपल और फैंस के फेवरेट रणबीर कपूर-आलिया भट्ट ने 14 अप्रैल को पहली वेडिंग एनिवर्सरी मनाई। आलिया ने दिन की शुरुआत रणबीर के साथ अपनी कुछ अनदेखी तस्वीरों को शेयर करते हुए की। वहीं, अपने दिन को और यादगार बनाने के लिए इस कपल ने एक दूसरे के साथ कुछ क्वॉलिटी टाइम स्पेंड किया। शाम को इस कपल को बाहर जाते देखा गया। आलिया और रणबीर ने 14 अप्रैल, 2022 को लव मैरिज की थी। इसके कुछ ही महीनों बाद एक्ट्रेस ने राहा नाम की बेटी को जन्म दिया। जिंदगी के इतने अहम पलों के बाद शाम दोनों को साथ देखा गया, जहां उन्हें देखते ही फैंस ने उन्हें घेर लिया। आम जनता तो आम जनता, पैपराजी भी उन्हें देख उनकी फोटो लेने से खुद को रोक नहीं पाए। रणबीर और आलिया इस दौरान काफी खुश नजर आए। उन्होंने खुले दिल से पैपराजी का स्वागत किया। सोशल मीडिया पर इस कपल का वीडियो शेयर किया गया है। इसमें देखा जा सकता है कि रणबीर के करीब आते ही हंसने लगती हैं। वह पैपराजी के सामने उन्हें साइड हग कर गाल पर किस करती हैं। इतना करते ही खुद आलिया और रणबीर शर्मा जाते हैं। सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो को देख फैंस उनकी क्यूटनेस की तारीफ करते नहीं थक रहे। हालांकि, कुछ यूजर्स ने इसे दिखावा बताया है।

मैंने कभी करण जौहर से काम नहीं मांगा: कंगना

कंगना रनौत ने करण जौहर के एक पुराने इंटरव्यू को लेकर एक बार फिर उन पर निशाना साधा है। अभिनेत्री ने साक्षात्कार क्लिप साझा किया जिसमें उन्हें काम नहीं देने के बारे में बात करते हुए सुना जा सकता है। वे कहते हैं, जब कंगना मूवी माफिया कहती हैं तो उनका क्या मतलब होता है, क्योंकि उन्हें क्या लगता है कि हम क्या कर रहे हैं, बैठे हैं और उन्हें काम नहीं दे रहे हैं? क्या यही हमारे माफिया बनाता है? नहीं, हम ऐसा अपनी मर्जी से करते हैं। मैं ऐसा इसलिए करता हूं क्योंकि शायद मुझे उसके साथ काम करने में कोई दिलचस्पी नहीं है। अभिनेत्री ने इस बयान का जवाब देते हुए कहा, कैसे करण ने मेरा मज़ाक उड़ाया, उन्होंने कहा कि मैंने कभी करण से काम नहीं मांगा। आप मेरी प्रतिभा को देखो और अपनी फिल्मों को देखो? अभिनेत्री के फैन पेज ने इन दो वीडियो का एक संपादन साझा किया और लिखा, माफिया जौहर को कंगना के महाकाव्य जवाब की प्रतीक्षा करें। इसे अपने इंस्टाग्राम स्टोरी हैंडल पर साझा करते हुए, कंगना ने आगे कहा, चाचा चौधरी इन तुच्छ विस्फोटों के लिए धन्यवाद। पिछले हफ्ते कंगना ने एक और पोस्ट शेयर कर करण जौहर पर उन्हें धमकाने का आरोप लगाया था। बाद में हिंदी में एक शायरी साझा करने के बाद, कंगना ने उनका मज़ाक उड़ाया और लिखा, एक वक़्त था जब चाचा चौधरी कुलीन नेपो माफिया वालों के साथ राष्ट्रीय टेलीविजन पे मुझे अपमान और धमकाने वाला था क्योंकि मैं अंग्रेजी नहीं बोल सकती थी।

बॉलीवुड | मसाला

अजब-गजब

भारत के इस गांव में नहीं चलता देश का संविधान

यहां के लोग खुद ही न्यायपालिका और कार्यपालिका

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। हमारे देश में संविधान के आधार पर ही कानून व्यवस्था चलती है। भारत के हर नागरिक की जिम्मेदारी है कि वह भारतीय संविधान का पालन करें। भारत के राज्यों में अलग अलग धर्म, अलग भाषाएं बोलने वाले लोग रहते हैं, लेकिन कानून सभी के लिए एक ही है। हर किसी को भारतीय संविधान के नियम कानून मानना जरूरी होता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में एक गांव ऐसा भी है, जहां भारत का कोई काननू नहीं चलता। यहां के लोग भारत के संविधान को नहीं मानते। इस गांव के अपने अलग नियम और कानून है।

यह अनोखा गांव हिमाचल प्रदेश में स्थित है और इसका नाम मलाणा है। यहां के लोग खुद न्यायपालिका और कार्यपालिका होते हैं। सदन के सदस्यों को चुनने का काम भी वे खुद ही करते हैं। यह गांव हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में करीब 12 हजार फुट की ऊंचाई पर बसा है। इसके चारों तरफ गहरी खाई और पहाड़ हैं। इस गांव में कोई भी भारतीय कानून नहीं माना जाता है। गांव वालों ने अपने खुद के कुछ नियम बना रखे हैं। इस गांव की खुद की संसद है। इसी आधार पर यहां सारे फैसले लिए जाते हैं।

गांव की अपनी अलग संसद

खास बात यह है कि भारत का हिस्सा होते हुए भी इस गांव का अपना अलग संविधान है। यहां के लोगों की अपनी अलग संसद है और इसमें दो सदन हैं।

ऊपरी सदन और निचली सदन। ऊपरी सदन में 11 सदस्य हैं। इनमें से तीन कारदार, गुरु और पुजारी होते हैं। ये स्थाई सदस्य हैं। बाकी के 8 सदस्यों को ग्रामीण मतदान करके चुनते हैं। सदन के हर घर से एक सदस्य प्रतिनिधि होता है। संसद भवन के तौर पर यहां एक चौपाल है, जहां सारे विवादों को सुलझाया जाता है और यहीं सारे फैसले होते हैं। इस गांव के अपने कुछ सख्त नियम भी है। यहां की दीवार को छूने की मनाही है। कोई भी बाहरी व्यक्ति गांव की दीवार को छू नहीं सकता। दीवार को छूने पर जुर्माना देना पड़ता है। यहां तक की पर्यटकों की भी इस गांव में एंट्री नहीं है।

चरस की खेती के लिए मशहूर

हिमाचल प्रदेश का मलाणा गांव दुनिया में चरस की खेती के लिए बहुत मशहूर है। इस गांव के आसपास गांजा अच्छी मात्रा में उगाया जाता है, जिसे मलाणा क्रीम कहते हैं। यहां के लोगों को चरस के अलावा कोई और फसल उगाने में दिलचस्पी नहीं है। उनके लिए यह काला सोना है। वास्तव में यह उनके लिए रोजी रोटी का मुख्य साधन है। यहां के लोगों की भाषा बहुत अलग है। यहां पर कनाशी भाषा बोली जाती है, जिसे बाहर के लोगों को सिखाना मना है। पर्यटक गांव में ठहर नहीं सकते, लेकिन इन्हें गांव के बाहर टेंट लगाकर रुकने की इजाजत है।

भूत से शादी करना महिला को पड़ा भारी, अब चाहती है तलाक

कहा-जिंदगी नर्क बन गई

भूतों को लेकर तमाम तरह के दावे किए जाते हैं। एक महिला ने भूत को लेकर ऐसा दावा किया था, जिसके बारे में जानकर सब हैरान रह गए थे। दरअसल, साल 2022 में एक महिला ने एक भूत से शादी करने का दावा किया था। महिला ने दावा किया कि भूत से पांच महीने मिलने के बाद ही उसने शादी कर ली। लेकिन अब महिला भूत से तलाक चाहती है। अब महिला का कहना है कि भूत से शादी करने के बाद उसकी जिंदगी नर्क बन गई है। दुर्भाग्य से महिला के लिए ये शादी कामयाब नहीं हो सकी। अब ये महिला चर्चा का विषय बनी हुई है। बता दें कि रॉकर ब्रोकार्डे नाम की एक महिला ने साल 2022 के हैलोवीन में एडवर्डो नाम के भूत से शादी की। अब महिला का दावा है कि भूत ने उसकी जिंदगी को नर्क बनाकर रख दिया है और वो उससे तलाक चाहती है। महिला का कहना है कि उसने जिंदगी में आगे बढ़ने का फैसला लिया है लेकिन भूत अब भी उसका पीछा कर रहा है। ऐसे में अब वो अपने जीवन से उसे निकालने के लिए भूत भगाने के बारे में सोच रही है। महिला ने शादी की गेस्ट लिस्ट के बारे में भी चौंकाने वाला खुलासा करते हुए कहा कि समारोह में जिंदा और मरे हुए लोगों के लिए खुला निमंत्रण था। महिला ने अपने हनीमून के बारे में बात करते हुए कहा कि पूरा सफर बद से बस बदतर ही होता जा रहा है। एडवर्डो इमोशनल और रोमांटिक हो रहा था लेकिन मैं उसके साथ आइसक्रीम शेयर करना चाहती थी। लेकिन पूरी रेत मेरे चेहरे और बालों पर चिपक गई। डेली स्टार से बात करते हुए महिला ने कहा कि मैं हारना नहीं चाहती। लेकिन ये बात भी सच है कि भूत से शादी चल नहीं पा रही है।

भाजपा सोशल मीडिया से झूठ और फरेब फैला रही है: कमलनाथ

बोले-बेसहारों का सहारा बने कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

भोपाल। मध्य प्रदेश बाल कांग्रेस की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन भोपाल स्थित पीसीसी मुख्यालय में किया गया। इसमें पीसीसी चीफ कमलनाथ ने बाल कांग्रेस को संबोधित किया। नाथ ने कहा कि आप सबको इतिहास की जानकारी होना जरूरी है, कैसे हमारे देश के महान नेताओं महात्मा गांधी, पं. जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, अबुल कलाम आजाद, भगतसिंह जैसे तमाम नेताओं ने देश की आजादी के लिए संघर्ष किया, आजादी दिलायी।

आप सब बेसहारों का सहारा और बेजुबानों की जुबान बने। उन्होंने कहा कि पांच साल पहले तक पांच प्रतिशत लोग ही इंटरनेट से जुड़े थे, आज 99 प्रतिशत लोग इंटरनेट का उपयोग करते हैं। आज अधिकांश सही जानकारी हमें इंटरनेट से मिल जाती है। नाथ ने कहा कि भाजपा कैसे सोशल मीडिया का उपयोग झूठ और फरेब की राजनीति के लिए कर रही है। उसका जवाब देना आपकी जिम्मेदारी है। यह तभी होगा जब आप दिलचस्पी लेंगे।

मप्र बाल कांग्रेस के प्रभारी एवं सेवादल के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष महेन्द्र जोशी ने कहा कि बाल कांग्रेस की सोशल मीडिया पर एक्टिविटी के लिए जल्द ही प्लान बनाएंगे। इसमें सोशल मीडिया के हर प्लेटफॉर्म पर बाल कांग्रेस इतिहास की सही जानकारी के साथ ही भाजपा के झूठ का जवाब देने के लिए एक्टिव रहेगी।

रानी कमलापति पर की गई टिप्पणी के बाद भाजपा का प्रदर्शन

इंदौर। मप्र विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष डॉ. गोविंद सिंह द्वारा जनजाति समूह की वीरांगना रानी कमलापति पर की गई अनर्गल टिप्पणी को लेकर आज 28 मंडल स्तर पर डॉ. गोविंद सिंह के पुतले का दहन किया गया। नगर अध्यक्ष गौरव रणदिवे एवं भारतीय जनता युवा मोर्चा अध्यक्ष सौगात मिश्रा ने कहा कि डॉ. गोविंद सिंह का बयान ना केवल जनजाति वीरांगना रानी कमलापति का ही नहीं पूरे जनजाति समाज का अपमान है। उनका बयान कांग्रेस की दूषित मानसिकता को दर्शाता है एवं यह भी साबित होता है कि जब भी जनजाति वर्ग का सम्मान किया जाता है तो कांग्रेस नेताओं के पेट में दर्द उठने लगता है। बता दें डॉ. गोविंद सिंह का भिंड में अंबेडकर जयंती पर दिए एक बयान का वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें सिंह ने कहा कि रानी कमलापति को कोई नहीं जानता, ढूंढ-ढूंढकर भाजपा नाम रख रही है।

समलैंगिकों के विवाह कानून का मामला फिर सुप्रीम कोर्ट की चौखट पर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। समलैंगिक विवाह के खिलाफ केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में नया आवेदन दायर किया है। इस आवेदन में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने वाली याचिकाओं पर विचार करने पर सवाल उठाए हैं। केंद्र ने कहा है कि शादी एक सामाजिक संस्था है और इस पर किसी नए अधिकार के सृजन या संबंध को मान्यता देने का अधिकार सिर्फ विधायिका के पास है और यह न्यायपालिका के अधिकारक्षेत्र में नहीं है।

» केंद्र सरकार ने दायर किया नया आवेदन

केंद्र ने आवेदन में ये भी कहा है कि समलैंगिक विवाह को कानूनी मान्यता देने का व्यापक असर होगा और सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिकाएं पूरे देश की सोच को व्यक्त नहीं करती हैं बल्कि ये शहरी अभिजात वर्ग के विचारों को ही दर्शाती हैं। इसे देश के विभिन्न वर्गों और पूरे देश के नागरिकों के विचार नहीं माने जा सकते। आवेदन में सरकार ने कहा कि कि सुप्रीम कोर्ट याचिकाओं की विचारणीयता पर विचार करे कि क्या इन्हें सुना जा सकता है या नहीं। कानून सिर्फ विधायिका द्वारा बनाया जा सकता है, न्यायपालिका द्वारा नहीं। याचिकाकर्ताओं ने एक नई विवाह संस्था बनाने की मांग की है, जो मौजूदा कानूनों की अवधारणा से अलग है। विवाह संस्था को सिर्फ सक्षम विधायिका द्वारा मान्यता दी जा सकती है।

सपा नेता आजम की तबियत बिगड़ी, भर्ती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रामपुर। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता आजम खां की तबीयत रविवार की रात अचानक बिगड़ गई। उनको दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सपा के निवर्तमान जिला अध्यक्ष वीरेंद्र गोयल ने बताया कि आजम खां रविवार की रात अपने आवास पर निकाय चुनाव के प्रत्याशियों को सिंबल दे रहे थे। इस दौरान उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। पहले स्थानीय डॉक्टर ने उनको देखा। इसके बाद अब्दुल्ला आजम समेत परिवार के अन्य लोग उन्हें दिल्ली ले गए। जहां उनको सर गंगाराम अस्पताल में भर्ती कराया गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि डॉक्टर्स ने बताया है कि उनके पैर का जो ऑपरेशन हुआ था उसमें इन्फेक्शन बढ़ रहा है। साथ ही हर्निया की भी शिकायत है।

गरीब छात्रों की जेब पर डाका, करोड़ों रुपए डकारे

सरकार की छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना को चूना लगा रहा अवध विश्वविद्यालय

ओम प्रकाश सिंह

अयोध्या। रामनगरी के डाक्टर राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय ने मानों यूपी सरकार के आदेशों की अवहेलना करने की ही ठान लिया है। गरीब छात्रों की जेब पर डाका डालकर प्रति वर्ष करोड़ों रुपए डकारा जा रहा है। ये अलग बात है कि सरकार की नीति इससे प्रभावित तो हो रही है लेकिन छुपे तौर पर उसे वित्तीय राहत भी मिल रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा सरकार लोक कल्याण के लिए जनहित की कई योजनाएं चला रही है। इन योजनाओं में एक योजना छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति की है जिससे उत्तर प्रदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे लाखों छात्र लाभान्वित हो रहे हैं। शुल्क प्रतिपूर्ति की इस योजना का पूरा लाभ अवध विश्वविद्यालय के लाखों बच्चों को नहीं मिल पा रहा है। अवध विश्वविद्यालय प्रशासन ने छात्रों से लूट का ऐसा तरीका ईजाद किया है कि लुटने वाले को भान ही नहीं हो पाता है। इस लूट से विश्वविद्यालय को प्रतिवर्ष लगभग पचास करोड़ की आय हो रही है और सरकार के खजाने पर इतनी ही राशि की बचत, सो मामले कि शिकायत होने पर भी शासन अनसुनी के मोड में चला जाता है। विश्वविद्यालय में प्रतिवर्ष लगभग चार लाख छात्र परीक्षा देते हैं। प्रतिवर्ष 2 सेमेस्टर में प्रति छात्र लगभग 2000 परीक्षा शुल्क सीधे छात्रों से वसूलता है जिस की प्रतिपूर्ति छात्रों को नहीं हो पा रही है। पहले जब महाविद्यालय छात्रों से परीक्षा शुल्क लेकर विश्वविद्यालय को देता था तो महाविद्यालय छात्रों को उसकी रसीद भी देता था। जिससे छात्रों को समाज कल्याण विभाग द्वारा उसकी प्रतिपूर्ति हो जाती थी किंतु अब विश्वविद्यालय मनमानी करते हुए छात्रों से सीधे शुल्क वसूल रहा है। जिसकी रसीद महाविद्यालय नहीं दे सकता क्योंकि छात्र उक्त राशि महाविद्यालय को न देकर विश्वविद्यालय को देता है।

विश्वविद्यालय की इस मनमानी के कारण अवध विश्वविद्यालय से संबद्ध 7 जनपदों के लगभग सात सौ महाविद्यालयों के लाखों छात्र प्रदेश सरकार की लोक कल्याणकारी योजना का पूरा लाभ पाने से वंचित रह जाते हैं।

अंकपत्र के लिए 100 से 500 रुपये प्रति छात्र अलग से वसूली

इसके अलावा उच्च शिक्षा में पारदर्शिता के लिए ही सरकार ने परीक्षा शुल्क 800 प्रति सेमेस्टर निर्धारित कर रखा है फिर भी विश्वविद्यालय मनमाने ढंग से अंकपत्र के लिए 100 रुपये प्रति छात्र एवं डिग्री के लिए 500 रुपये प्रति छात्र अलग से क्यों वसूलता है, क्या अंक पत्र एवं डिग्री, परीक्षा का अंग नहीं है? मामले को मुख्यमंत्री के संज्ञान में लाने के लिए जागरूक लोगों ने पत्र भेजा है। जिससे छात्रवृत्ति एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजना का समग्र लाभ सभी छात्रों को मिल सके।

फार्म में लौटे सूर्यकुमार, खेली विस्फोटक पारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। मुंबई इंडियंस के प्रमुख बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव पिछले कुछ समय से रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे। कई बार वो बिना खाता खोले आउट हुए और आलोचनाओं से घिरे। पिछले मैच में गोल्डन डक पर आउट होने का हिसाब सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में बखूबी अंदाज में चुकता कर दिया है।आईपीएल 2023 में पहली बार सूर्या का बल्ला चला और क्या खूब चला। सूर्यकुमार ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 25 गेंदों 43 रनों की विस्फोटक पारी खेली। 43 रनों की विस्फोटक पारी के दौरान सूर्या अपने उसी पुराने अंदाज में नजर आए और उन्होंने केकेआर के गेंदबाजों की जमकर खबर ली। 172 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए सूर्या ने अपनी पारी के दौरान 4 चौके और 3 गगनचुंबी छक्के जमाए।

25 गेंदों में 43 रन, 4 चौके और तीन गगनचुंबी छक्के जमाए

12 लाख का लगा जुर्माना

मुंबई इंडियंस और कोलकाता नाइटराइडर्स के बीच आईपीएल 2023 का 22वां मुकाबला विवादों से भरा रहा। इस मुकाबले में केकेआर के कप्तान नितीश राणा और ऋतिक शौकीन के बीच जबर्दस्त विवाद हुआ। वहीं वानखेड़े स्टेडियम पर मुंबई इंडियंस की कप्तानी कर रहे सूर्यकुमार यादव पर भी 12 लाख रुपये का जुर्माना लगा। आईपीएल ने बताया कि धीमी ओवर गति के अपराध के संबंध में मुंबई इंडियंस का आईपीएल आचार संहिता का यह पहला अपराध रहा तो कप्तान सूर्यकुमार यादव पर 12 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

नितीश-शौकीन में बहस, मैच फीस कटेगी

कोलकाता नाइटराइडर्स के कप्तान नितीश राणा पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। नितीश राणा ने आईपीएल आचार संहिता के आर्टिकल 2.21 के अंतर्गत लेवल 1 अपराध स्वीकार कर लिया है।मुंबई इंडियंस के गेंदबाज ऋतिक शौकीन पर आईपीएल आचार संहिता के उल्लंघन के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया। शौकीन ने आईपीएल आचार संहिता के आर्टिकल 2.25 के अंतर्गत लेवल 1 अपराध स्वीकार कर लिया है। बता दें कि आईपीएल आचार संहिता के लेवल 1 उल्लंघन में मैच रेफरी का फैसला निर्णायक माना जाता है।

पहली बल्लेबाजी करते हुए केकेआर ने 20 ओवर में 185 रन बनाए। वहीं, एमआइ ने 17.4 ओवर में इस लक्ष्य को आसानी से हासिल कर लिया। मुंबई इंडियंस ने 14 गेंदें शेष रहते पांच विकेट से मैच अपने नाम किया।

आप ने केंद्र सरकार की ओर से ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए, कहा-

केजरीवाल को गिरफ्तार कराकर दिल्ली सरकार को अस्थिर करने की साजिश

» दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र शुरू

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा का सोमवार को एक दिवसीय सत्र हंगामेदार रहा। पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर हमलावर रहे। इस संबंध में दोनों पक्षों ने पहले से रणनीति तैयार की थी।

वहीं दिल्ली विधानसभा में केंद्र सरकार की ओर से ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करने का आरोप लगाते हुए चर्चा शुरू की गई। इस दौरान आरोप लगाया गया है कि केंद्र सरकार मुख्यमंत्री को गिरफ्तार कराकर दिल्ली सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है।

सत्र पर एलजी ने उठाए सवाल

विधानसभा के एक दिवसीय सत्र पर एलजी ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने इसे सरकार की गंभीर चूक बताते हुए कहा कि दिल्ली कैबिनेट ने बगैर किसी विधायी कार्य के एक दिवसीय सत्र बुलाने की सिफारिश कैसे की? नियमों और अधिनियम के तहत 29 मार्च को सत्र के समापन के बगैर नया सत्र कैसे बुलाया जा सकता है। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा के चौथे सत्र के दूसरे भाग को बुलाने का प्रस्ताव दिया, जबकि कैबिनेट ने दिल्ली विधानसभा का एक दिवसीय सत्र बुलाने की सिफारिश की है। सत्र के समापन के बगैर नया सत्र नहीं बुलाया जा सकता है।

विधानसभा अध्यक्ष को सत्र बुलाने का पूरा अधिकार : संजय सिंह

आम आदमी पार्टी के नेता और राज्यसभा सदस्य संजय सिंह ने सोमवार सुबह कहा कि एलजी को विधानसभा सत्र बुलाने पर आपत्ति करने का कोई अधिकार नहीं है। विधानसभा सत्र कब बुलाया जाएगा ये विधानसभा अध्यक्ष तय करते हैं, एलजी तय नहीं करते। वहीं दिल्ली सरकार के संसदीय कार्य मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष को सत्र बुलाने का पूरा अधिकार है। उपराज्यपाल विधानसभा अध्यक्ष के कामकाज में हस्तक्षेप कर रहे हैं। विधानसभा अध्यक्ष ने नियम के तहत यह सदन बुलाया है, इसके अलावा उन्होंने सदन बुलाने के संबंध में उपराज्यपाल की ओर से मुख्यमंत्री को लिखा पत्र लीक होने का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि यह अवमानना का मामला है। इस मामले की जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए।

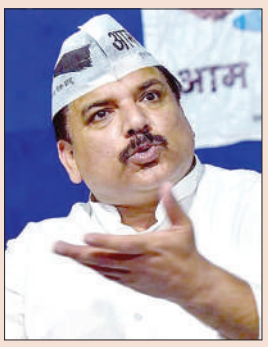

सदन का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही दिल्ली सरकार : विजेंद्र गुप्ता

भाजपा विधायक विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार सदन का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है। वह अपने एजेंडे के तहत सदन की बैठक के बुलाती रहती है जबकि सदन में कभी भी दिल्ली की समस्याओं पर चर्चा नहीं होती है। आम आदमी पार्टी सदन का उपराज्यपाल और केंद्र सरकार की गरिमा को ठेस पहुंचाने के लिए उपयोग कर रही है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने की देशभर में जाति आधारित जनगणना कराने की मांग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिट्ठी लिख एक खास अपील की है। कांग्रेस नेता ने पीएम से देश में 2021 की दशकीय जनगणना जल्द से जल्द कराने की मांग की है। उन्होंने कहा कि जनगणना के लिए जाति को इसका अभिन्न अंग बनाया जाए।

पीएम मोदी को लिखी चिट्ठी

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में प्रधानमंत्री को जाति आधारित जनगणना कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि इससे सामाजिक न्याय और सशक्तिकरण को मजबूती मिलेगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने अपने पत्र में पीएम से कहा कि कांग्रेस पार्टी और अपने नेताओं की ओर से मैं एक बार फिर जाति आधारित जनगणना कराने की मांग करने के लिए पत्र लिख रहा हूं।उन्होंने कहा कि मैंने और मेरे सहयोगियों ने खुद कई दफा इस मांग को संसद के दोनों सदनों में उठाया है। खरगे ने कहा कि कई दूसरे विपक्षी नेता भी इसकी मांग कर चुके हैं। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने आज एक ट्वीट कर खरगे का पीएम मोदी को लिखा गया पत्र साझा किया। उन्होंने कहा कि अब जितनी आबादी उतना हक सभी को मिलना चाहिए। बता दें कि कांग्रेस पहले भी कई दफा जाति आधारित जनगणना कराने की मांग कर चुकी है।

मोदी भाषण में करते हैं चालाकियां : गहलोत

राजस्थान के मुख्यमंत्री बोले-मैं सब समझता हूं

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी अपने भाषण में जो चालाकियां करते हैं, उसे वो पहचानते हैं। मुख्यमंत्री ने राजस्थान कॉलेज में आयोजित एक कार्यक्रम अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री अपने भाषण की शुरुआत ''मेरे मित्र अशोक गहलोत से करेंगे और ''मेरी सरकार की ऐसी की तैसी करेंगे। गहलोत ने इसे मोदी की 'चालाकियां करार दिया।

उन्होंने कहा,यह सब चालाकियां मैं भी समझता हूं, मैं भी तो लंबें समय से राजनीति कर रहा हूं। गहलोत ने कहा कि प्रधानमंत्री के भाषण के बाद उन्होंने उन्हीं को

(प्रधानमंत्री को) को टैग करते हुए ट्वीट किया कि आज आपने चुनाव का बिगुल बजा दिया।

मेरी सलाह पर पीएम पूरे देश में ओपीएस लागू करें

अगर मैं वरिष्ठ हूं तो प्रधानमंत्री को मेरी सलाह लेनी चाहिए और पूरे देश में पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) लागू कर देना चाहिए। ओपीएस लागू कर दीजिये... पहली सलाह यही है आपको, जो योजना हमने राजस्थान के लिए बनाई है आप उसको देश के लिए लागू कर दीजिए। अनुभव का कोई विकल्प नहीं होता... तो उसका लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह देश में घूम रहे हैं और देश की राजनीति में नया मॉडल बना दिया है। खरीद फरोख्त (हार्स ट्रेडिंग) से चुनी हुई सरकारों को गिराने का जैसा कि कर्नाटक, महाराष्ट्र गोवा मणिपुर में हुआ।

फोटो: सुमित कुमार

नामांकन लखनऊ के महापौर की भाजपा प्रत्याशी सुषमा खर्कवाल ने आज अपना नामांकन दाखिल कर दिया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक व पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के अलावा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शराब से मरे लोगों के परिवार को 4-4 लाख की सहायता

बिहार जहरीली शराब कांड

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार के पूर्वी चंपारण में जहरीली शराब से 30 लोगों की मौत के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी पर अपनी नीति बदलकर सबको हैरान कर दिया है। अब तक मुआवजे के लिए सीधे तौर पर इनकार करने वाले सीएम नीतीश कुमार ने सोमवार को जहरीली शराब से मरनेवालों के परिवार को चार-चार लाख मुआवजा देने का एलान किया है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि मृतकों के परिवार वालों को मुआवजा दिया जाएगा। शराबबंदी के बाद 2016 से जहरीली शराब के मृतकों के परिवार वालों को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार-चार लाख का मुआवजा दिया जाएगा। हालांकि,

सीएम ने इसके लिए एक शर्त रख दी है। सीएम ने कहा कि जिन लोगों की मृत्यु जहरीली शराब से हुई है, उनके परिवार हमें लिखित में देंगे कि वे राज्य में शराबबंदी के पक्ष में हैं और वे शराब पीने के खिलाफ हैं तो हम उनकी मदद करेंगे। उन्हें हम मुख्यमंत्री राहत कोष से 4 लाख रुपए देंगे।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।